दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक दैनिक हो गया है। इसका सर्वे का कार्य आगे भी तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्व की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, शुक्रवार 04 अक्टूबर 2019 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-02, अंक- 08

महत्वपूर्ण एवं खास

एपेक में पुतिन और ट्रंप की मुलाकात पर स्थिति स्पष्ट नहीं : रूस

मास्को। रूस को यह जानकारी नहीं है कि आगामी एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन में अमेरिका का प्रतिनिधित्व कौन करेगा, जिससे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच बैठक होने या न होने को लेकर कुछ स्पष्ट नहीं हो पाया है। रूस के उप विदेश मंत्री सर्गेई रयाबकोव ने गुरुवार को यह बात कही। रयाबकोव ने कहा, यह स्पष्ट नहीं है कि शिखर सम्मेलन में अमेरिकी की तरफ से कौन शामिल होगा? हम वर्तमान में यह जानकारी एकत्र कर रहे हैं कि किस देश के कौन से नेता इसमें शामिल होंगे। अमेरिका को लेकर अभी कुछ स्पष्ट नहीं है और हमारे पास इस संबंध में कोई सूचना नहीं है। एपेक का आगामी शिखर सम्मेलन 16-17 नवंबर को चिली में होगा।

वर्ल्ड वार के समय का विमान अमेरिका में दुर्घटनाग्रस्त, सात लोगों की मौत

वाशिंगटन । अमेरिका में कनेक्टिकट प्रांत के ब्रैडली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर द्वितीय विश्व युद्ध के जमाने का युद्धक विमान बी-17 दर्घटनाग्रस्त होने के कारण कम से कम सात लोगों की मौत हो गई तथा छह अन्य लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना बुधवार को स्थानीय समय के अनुसार सुबह नौ बजकर 54 मिनट पर हुई। अधिकारियों ने बताया कि उड़ान भरने के थोड़ी देर बाद विमान ने कठिनाइयों की जानकारी दी और वापस लौटकर लैंड करने की कोशिश की थी। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार कनेक्टिकट हवाई अड्डा प्राधिकरण के कार्यकारी निदेशक केविन डिलन ने कहा, हमने देखा कि विमान ऊंचाई प्राप्त नहीं कर रहा था। राज्य के पुलिस आयुक्त जेम्स रोवेल्ला ने संवाददाताओं से कहा, यह एक विपत्ति है।

उकोरिया ने कहा कि मिसाइल परीक्षण सफल हुआ

सियोल। उत्तर कोरिया ने बृहस्पतिवार को पुष्टि की उसने पनडुब्बी से एक नयी बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया और बाहरी खतरों तथा अपनी सैन्य ताकत को बढ़ावा देने के प्रयासों की दिशा में इसे एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि करार दिया। उत्तर कोरिया ने बुधवार को पिछले तीन साल में पहली बार पनडुब्बी से प्रक्षेपित होने वाली मिसाइल का परीक्षण किया था। यह परीक्षण इस हफ्ते के अंत में अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता फिर से शुरू करने से पहले किया गया है। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया अमेरिका को दिखाना चाहता है कि अगर यह वार्ता फिर से विफल रही तो क्या हो सकता है।

अमेरिका में सिख पुलिस अधिकारी के अंतिम संस्कार में हजारों लोग उमड़े

ह्यूस्टन । अमेरिका में पिछले हफ्ते ड्यूटी के दौरान मारे गए पुलिस अधिकारी संदीप सिंह धालीवाल के अंतिम संस्कार में हजारों की तादाद में लोग शामिल हुए। पुलिस अधिकारियों, सिख समुदाय के लोगों, भारतीय मूल के अमेरिकियों और ह्यूस्टन इलाके के निवासियों समेत हजारों लोगों ने बुधवार को उन्हें श्रद्धांजलि दी। धालीवाल (42) हैरिस काउंटी के पहले सिख डेप्युटी शेरिफ थे। हैरिस काउंटी में सिखों की आबादी 10,000 से अधिक है। धालीवाल का नाम उस वक्त सुर्खियों में आया था जब उन्हें नौकरी में रहते हुए दाढ़ी रखने और पगड़ी पहनने की इजाजत दी गई थी। पश्चिमोत्तर ह्यूस्टन में नियमित ट्रैफिक जांच करने के दौरान पिछले शुक्रवार गोली मार कर उनकी निर्मम हत्या कर दी गई थी। धालीवाल को उनके साथी पुलिस अधिकारियों ने 21 बंदूकों की सलामी दी। बीन-बाजा (बैगपाइप) पर 'अमेजिंग ग्रेस' की धुन बजने के बीच, एचसीएसओ के सदस्यों ने उस अमेरिकी ध्वज को तह किया जिससे धालीवाल का ताबूत लपेटा गया था और शेरिफ एड गोंजालेज ने धालीवाल की पत्नी को इसे सौंपा जिन्होंने उसे अपने सीने से लगा लिया।

अमित शाह ने दिल्ली-कटरा वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई

नईदिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को नई दिल्ली से कटरा 'वंदे भारत' रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और कहा कि आज रेलवे ने जम्मू कश्मीर को बहुत बड़ा तोहफा दिया है। उनका कहना था कि जम्मू कश्मीर के विकास के लिए धार्मिक पर्यटन का बड़ा महत्व है, देश के हर नागरिक की इच्छा रहती है कि पहाड़ों पर विराजमान मां वैष्णो देवी के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया जाए। उन्होंने कहा कि 2014 में नरेंद्र मोदी की सरकार आने के बाद सभी धार्मिक स्थानों की यात्रा को सरल तथा सुगम बनाया गया ताकि

ज्यादा से ज्यादा लोगों की मनोकामना पूर्ण हो सके।

उन्होंने महात्मा गांधी की 150वीं जयंती का उल्लेख करते हुए कहा कि गांधी वह महामानव थे जिन्होंने न केवल भारत अपितु पूरी दुनिया का जीवन को देखने का नजरिया बदल दिया। गांधी ने अपने काम से पूरी दुनिया को एक नया दर्शन देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि गांधी के सिद्धांत साश्वत हैं जिसे नई पीढ़ी तक पहुंचाने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि 'स्वदेशी' गांधीका एक सबसे बड़ा नारा था, जो पूरी तरह से स्वदेश में निर्मित गाड़ी 'वंदे भारत' द्वारा साकार किया गया है। उनका कहना था कि मोदी की प्रेरणा से रेल विभाग ने गांधीकी कल्पना को चरितार्थ करने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि मोहनदास से महात्मा बनने का काम रेल के डिब्बे से ही शुरू हुआ था और जिस ब्रिटिश काल का कभी सूर्य अस्त नहीं होता था उसे देश से जाना पड़ा। अमित शाह ने यह भी कहा कि जब बापू के सामने यह सवाल आया कि इस देश को जानना चाहिए, विशाल देश की जनता को आजादी के आंदोलन के साथ जोड़ने की आवश्यकता है, तब गांधी ने रेलवे का सहारा लिया। रेलवे के माध्यम से बापू 6 साल तक पूरे भारत में आम-जन के साथ आत्मीयता से जुड़े, विशाल देश की समस्याओं को समझा और गरीब से गरीब व्यक्ति को भी अपने साथ जोड़ने का काम किया। शाह ने कहा कि रेल विभाग को गांधी और रेलवे के संबंध को रेखांकित करने का काम करना चाहिए ताकि आमजन को पता चले कि रेलवे के साथ बापू किस प्रकार जुड़े थे। उन्होंने बापू के विभिन्न आंदोलनों का जिक्र करते हुए कहा कि महात्मा गांधी ने रेलवे से आजादी के आंदोलन को जोड़ा और रेलवे का उपयोग कर आजादी दिलाने का काम किया। उनका कहना था कि देश को 5 ट्रिलियन इकोनामी बनाने के नरेंद्र मोदी के संकल्प को पूर करने में रेलवे की महत्वपूण? भूमिका होगी। शाह ने कहा कि रेलवे के द्वारा विगत 5 वर्षों में विभिन्न परियोजनाओं में बहुत तेआई है और रेलवे स्टेशन, डिपो आदि के निर्माण कार्य द्रुत गति से हो रहे हैं। उनका कहना था कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संपूर्ण भारतीयकरण करने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हर भारतीय के मन में था कि धारा 370 हटाई जाये और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर से धारा 370 तथा 35ए हटाने का एतिहासिक कदम लिया गया।

हाईकोर्ट के फैसले को चिंदबरम ने दी चुनौती

» सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की जमानत याचिका

नईदिल्ली (आरएनएस)। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने आईएनएक्स मीडिया मामले में गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में अपनी जमानत याचिका दायर की है। कांग्रेस नेता इस समय तिहाड़ जेल में बंद हैं। चिदंबरम ने जल्द से जल्द जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट से सुनवाई की मांग की है। जस्टिस एनवी रमणा ने कहा कि सीजेआई तय करेंगे कि शुक्रवार को मामले की सुनवाई होगी या नहीं। जस्टिस रमणा ने मामले को लिस्ट करने के लिए सीजेआई के पास भेजा।

इससे पहले दिल्ली हाई कोर्ट ने चिदंबरम को जमानत देने से इनकार कर दिया था। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को जमानत

याचिका खारिज करते हुए कहा कि जांच अग्रिम चरण में है और इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि वह गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं।

अदालत ने कहा कि चिदंबरम के विदेश भागने का खतरा नहीं है और इस बात का भी अंदेशा नहीं है कि वह सबूतों से छेड़छाड़ कर सकते हैं लेकिन अगर उन्हें जमानत दी गई तो वह गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं। चिदंबरम को 21 अगस्त को गिरफ्तार किया गया था। तब से वह हिरासत में हैं।

एससी-एसटी एक्ट मामले में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला रखा सुरक्षित

नईदिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने एससी-एसटी एक्ट मामले को लेकर दाखिल याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है. याचिका एससी-एसटी पर अत्याचार करने वाले आरोपी व्यक्ति को अग्रिम जमानत देने के लिए कोई प्रावधान न होने के खिलाफ दाखिल की गई है. गौरतलब है कि दो दिन पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने अपने पुराने फैसले को पलट दिया था. यानी इस एक्ट के तहत अब पहले की तरह ही शिकायत के बाद तुरंत गिरफ्तारी हो सकेगी. 20 मार्च 2018 को सुप्रीम कोर्ट ने एससी/एसटी एक्ट में बदलाव करते हुए तुरंत गिरफ्तारी पर रोक

हटा दी थी. उस वक्त सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि पहले जांच होगी और फिर गिरफ्तारी होगी.

जस्टिस अरुण मिश्रा, जस्टिस एम आर शाह और जस्टिस बी आर गवई की बेंच ने केंद्र सरकार की पुनर्विचार याचिका पर ये फैसला सुनाया था. पीठ ने कहा था कि समानता के लिए अनुसूचित जाति और जनजातियों का संघर्ष देश में अभी खत्म नहीं हुआ है. पीठ ने कहा था कि समाज में अभी भी ये वर्ग के लोग छुआछूत और अभद्रता का सामना सामना कर रहे हैं और वे बहिष्कृत जीवन गुजारते हैं.

शीर्ष अदालत ने कहा था कि संविधान के अनुच्छेद 15 के तहत अनुसूचित जाति और जनजातियों के लोगों को संरक्षण प्राप्त है, लेकिन इसके बावजूद उनके साथ भेदभाव हो रहा है. इस कानून के प्रावधानों के दुरुपयोग और झूठे मामले दायर करने के मुद्दे पर न्यायालय ने कहा कि ये जाति व्यवस्था की वजह से नहीं, बल्कि मानवीय विफलता का नतीजा है.

पीठ ने कानून के प्रावधानों के अनुरूप 'समानता लाने' के लिए कुछ निर्देश देने का संकेत देते हुए कहा था कि आजादी के 70 साल बाद भी देश में अनुसूचित जाति और जनजाति के सदस्यों के साथ 'भेदभाव' और 'छुआछूत' बरती जा रही है. यही नहीं, न्यायालय ने हाथ से मलबा उठाने की कुप्रथा और सीवर और नालों की सफाई करने वाले इस समुदाय के लोगों की मृत्यु पर गंभीर रुख अपनाते हुए कहा था कि दुनिया में कहीं भी लोगों को 'मरने के लिये गैस चैंबर' में नहीं भेजा जाता है.

दिल्ली में घुसे जैश के 3-4 आत्मघाती आतंकी

» खुफिया सूचना के बाद जगह-जगह छापेमारी

नईदिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से इस वक्त बड़ी खबर आ रही है. त्योहारी सीजन को देखते हुए आतंकी दिल्ली में हमले की साजिश रच रहे हैं. खुफिया एजेंसियों की जानकारी के अनुसार, जैश के तीन- चार आत्मघाती आतंकवादी इस समय दिल्ली में मौजूद हैं. बताया जा रहा है कि इन सभी के पास आधुनिक हथियार हैं. इंटेलिजेंस से मिली

इस जानकारी के बाद दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल कई इलाकों में छापेमारी कर रही है और सर्च ऑपरेशन जारी है.

आतंकी हमले की आशंका के चलते राजधानी में पुलिस ने अलर्ज जारी कर दिया है. सार्वजनकि स्थलों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है. खासकर बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और मेट्रो स्टेशनों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है.

वहीं एक दिन पहले बुधवार को दिल्ली से सटे पंजाब में पुलिस ने एक आतंकी को गिरफ्तार किया था. जो बड़े हमले की तैयारी में था. इससे पहले एसआईटी ने अमृतसर से तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर इनके पास से पांच एके47, दो राइफल व गोला बारूद बरामद किए थे.

उल्लेखनीय है कि लगातार पाकिस्तान की ओर से आतंकी भारत में घुसपैठ का प्रयास कर रहे हैं. लेकिन इसमें कामयाब न होते देख अब पाकिस्तान की ओर से ड्रोन के जरिए हथियार यहां पर भेजे जा रहे हैं. हाल ही में पंजाब से चार आतंकियों को गिरफ्तार करने के साथ ही एसआईटी को 4 ड्रोन विमान भी मिले थे जिनमें से तीन पूरी तरह से नष्ट किए जा चुके थे. ये सभी चीन निर्मित थे.

केन्द्रीय मंत्री गोयल के घर में चोरी, आरोपी नौकर गिरफ्तार

» दस्तावेज लीक होने का शक

नईदिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय रेल मंत्री पीयूष गोयल के मुंबई वाले घर में चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है. उनका ये घर मुंबई के नेप्येंसी रोड पर है. पुलिस के मुताबिक घर पर काम करने वाले एक नौकर ने 15 या 16 सितंबर को चोरी की थी.

बुधवार की शाम मुंबई पुलिस ने दिल्ली से एक नौकर को पकड़ा है. गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम विष्णु कुमार वर्मा बताया जा रहा है. इसके पास से कुछ पैसे और हार्डडिस्क मिले हैं. पुलिस को शक है कि आरोपी ने अपने फोन के जरिए कुछ अहम जानकारियां किसी को भेजी हैं, जिसकी जांच की जा रही है.

कहा जा रहा है कि आरोपी नौकर पिछले 3 साल से केंद्रीय मंत्री के घर काम कर रहा था. फिलहाल आरोपी के फोन को जांच के लिए साइबर सेल को भेज दिया गया है. पुलिस डिलिट किए गए मेल की रिकवरी की कोशिश कर रही है. इसके अलावा आरोपी के साथियों की भी तलाश की जा रही है.

शेख हसीना चार दिवसीय यात्रा पर भारत पहुंची

नई दिल्ली (आरएनएस)। बंगलादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना चार दिवसीय यात्रा पर गुरुवार को यहां पहुंची। हसीना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आमंत्रण पर यहां

पहुंची हैं और उनकी यात्रा के दौरान दोनों पक्षों के बीच कई समझौतों पर हस्ताक्षर किये जाएंगे।

दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा से इतर 27 सितंबर को भी मुलाकात हुई थी। ढाका से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार बंगलादेशी प्रधानमंत्री पांच अक्टूबर को मोदी से बातचीत के दौरान तीस्ता जल बंटवारा समझौते और अन्य साझा नदियों के जल बंटवारे का मुद्दे पर बातचीत करेंगी।

इस दौरान आठ नदियों मनु, मुहुरी, खोवाई, फेनी, गुमटी, धरला, दूधकुमार और तीस्ता के जल बंटवारे को लेकर एक रूपरेखा पर भी हस्ताक्षर किया जायेगा। भारत और बंगलादेश के बीच 54 नदियां बहती हैं। हसीना बंगलादेश में रोहिंग्या संकट और भारत में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर को लेकर भी मोदी से बातचीत कर सकती हैं।

त्योहारों के बाद गंगा में बहाई प्रतिमाएं तो लगेगा 50 हजार जुर्माना

» केंद्र ने राज्यों को जारी किए दिशानिर्देश

नईदिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने त्योहारों के बाद गंगा और उसकी सहायक नदियों में प्रतिमाएं विसर्जित करने पर रोक लगाने के लिए 15 सूत्रीय दिशानिर्देश जारी किए हैं. नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा की ओर से जारी दिशानिर्देशों के मुताबिक, अगर कोई व्यक्ति गंगा या उसकी सहायक नदी में प्रतिमा विसर्जित करता पाया जाता है तो उस पर 50,000 रुपये जुर्माना लगाया जाएगा. वहीं, राज्य सरकारों को

नदियों के सभी घाटों को बंद करने का निर्देश भी गया है. केंद्र की ओर से ये दिशानिर्देश उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली, झारखंड, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा और राजस्थान की सरकारों को भेजे गए हैं.

नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा ने ये दिशानिर्देश पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 की धारा-5 के तहत जारी किए हैं. इनमें स्पष्ट तौर पर कहा गया है कि नदियों के तटों और घाटों पर मूर्ति विसर्जित करने वालों पर 50 हजार रुपये जुर्माना लगाया जाए. साथ ही मूर्ति विसर्जन के संभावित तटों और घाटों को बेरिकेडिंग के जरिये बंद कर दिया जाए. राज्य सरकारें गंगा और उसकी सहायक नदियों के किनारे अस्थायी तलाबों का निर्माण कर मूर्ति विसर्जन की व्यवस्था करें. इसमें कहा गया है कि संबंधित राज्य सरकारें, प्राधिकरण, बोर्ड और निगम मूर्तियां बनाने में सिंथेटिक मैटेरियल, नॉन-बायोडिग्रेडेबल मैटेरियल, प्लास्टर ऑफ पेरिस, पकी हुई मिट्टी, फाइबर और थर्माकोल के इस्तेमाल पर रोक सुनिश्चित करें.

नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा ने निर्देश दिया है कि सभी राज्य मूर्तियों को रंगने के लिए इस्तेमाल होने वाले जहरीले पेंट्स, नॉन-बायोडिग्रेडेबल केमिकल डाई या सिंथेटिक पेंट के इस्तेमाल पर पूरी तरह से रोक लगाएं. साथ ही कहा गया है कि राज्यों के मुख्य सचिव हर त्योहार के बाद कार्रवाई रिपोर्ट केंद्र सरकार को सौंपे. रिपोर्ट तैयार करने के लिए उन्हें सात दिन का समय दिया गया है. वसूला गया जुर्माना राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पास जमा कराया जाए. बता दें कि देश में गणेश चतुर्थी, दुर्गा पूजा और छठ पूजा के दौरान किए जाने वाले मूर्ति विसर्जन से नदियों में प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है.